# राष्ट्रीय एकता एवं समाज सेवा में हमारी सहभागिता

① परिचय :- किसी देश के समुदाय एवं समाज में एकता होना अत्यंत महत्वपूर्ण है।
इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति समाज के प्रति अपना कर्तव्य समझे और राष्ट्रीय एकता एवं समाज सेवा में अपना सहयोग दे।

② महत्व :- (i) राष्ट्र को एकजुट बनाने के लिए।
(ii) सामाजिक सद्भाव को बढ़ाने के लिए।
(iii) राष्ट्र को आर्थिक रूप से संपन्न बनाने में।
(iv) अल्पसंख्यकों को भय मुक्त और संपन्न बनाने में।

③ क्यों आवश्यक :- कई उदाहरण ऐसे देखने को मिलते है जिसमें अंधकतादी एवं कट्टरपंथी विचारधारा के लोगो द्वारा सामाजिक एकता को तोड़ने एवं अशांति फैलाने का प्रयास किया जाता है। इसीलिए यह आवश्यक है कि हम समाज के सभी वर्गों पर समान रूप से ध्यान केंद्रित करे और उन्हें हर संभव तरह से संपन्न बनाने का प्रयास करे, जिससे इंटरनेट एवं सोशल मीडिया द्वारा फैलाई भ्रांतियो से किसी भी प्रकार की अशांति न फैले।

④ हमारी सहभागिता :- एक चिकित्सक होने के आधार पर हम निम्न तरह से राष्ट्रीय एकता एवं समाज सेवा में सहभागिता दे सकते है - (i) प्रत्येक व्यक्ति/रोगी को समान भाव से देखना एवं किसी भी तरह से भेदभाव करना।
(ii) निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर लोगो को परामर्श दे सकते है।
(iii) निःशुल्क औषधि वितरण कर सकते है।
(iv) समाज को संक्रामक रोगो से बचाव एवं उपचार के लिए शिक्षित कर सकते है।
(v) रोगो एवं उनसे जुड़ी भ्रांतियो को दूर कर सकते है।
(vi) असामाजिक तत्वो, आंतकवादी विचारधाराओ के बहकाते में न आने की शिक्षा दे सकते है।
(vii) किसी भी धर्म, जाति, वर्ग विशेष को हीन भावना से न देखना या हीन व्यवहार न करना।

(5) शिक्षा का महत्व :-

राष्ट्रीय एकता व समाज सेवा का लक्ष्य बिना शिक्षा के पूर्ण हो पाना असंभव है। इसीलिए आवश्यक है कि समाज का प्रत्येक वर्ग एवं व्यक्ति को शिक्षा का अवसर मिले।

- सरकार द्वारा भी शिक्षा को बढावा देने के लिए विभिन्न तरह की योजनाएँ, छात्रवृत्ति, पुरस्कार आदि दिए जाते है।
- शिक्षित होकर हर समाज/वर्ग अपना अधिकार एवं कर्तव्य जाने ~~और~~ व उनका पालन करे।
- एक व्यक्ति शिक्षित होकर न केवल सामाजिक व आर्थिक रूप से संपन्न बन सकता है बल्कि वह दूसरो को भी प्रेरित कर सकता है।

(6) निष्कर्ष :→

इस तरह हम यह सकते है कि राष्ट्रीय एकता व समाज सेवा के लिए प्रत्येक व्यक्ति अपना कर्तव्य समझे एवं उनका पालन करे।

- यह किसी एक व्यक्ति विशेष द्वारा संभव नहीं है, न ही हम दूसरो को देखकर अपने कर्तव्यो से मुंह मोड़ सकते है।
- हम इसे आवश्यक समझे और करे तो हमें देखकर समाज एंव देश के दूसरे लोग भी प्रेरित होंगे।

इसी तरह हम हमारा राष्ट्रीय एकता व समाज सेवा का लक्ष्य प्राप्त करेंगे।

सौरभ मेहता
(B.A.M.S 3rd year)